



सुशासन
का साल
छत्तीसगढ़
हुआ नवशहाल



जनादेशा परब

पर प्रदेश की जनता का
कोटि-कोटि आभार...

13 दिसम्बर 2024



श्री जगत प्रकाश नड्डा
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
रसायन एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे



अनमोल दावा

जितना हो सके स्वामोश रहना ही अच्छा हैं, क्योंकि सबसे ज्यादा गुनाह इंसान से उसकी ज़बान ही करवाती हैं।

कांग्रेस के भविष्य पर नए सवाल, राहुल और प्रियंका की बढ़ेंगी मुश्किलें

कांग्रेस ने बड़ी संख्या में मिलिए उम्मीदवार भी उतारे पर जोरदार प्रचार अधियन के बावजूद कांग्रेस 402 में से मात्र दो विधानसभा सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस का मत प्रतिशत भी ढाई प्रतिशत के आसपास रहा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हालत लोकसभा चुनाव में स्पष्ट से गठबंधन से सुधरती दिखी पर हाल के नई विधानसभा उपचुनाव में उसके लिए भी सीट नहीं छोड़ी।

प्रियंका गांधी बाड़ी में भी संसदीय पारी का जागरूक हो गया, पर इसी दौरान कांग्रेस की नियति को लेकर नए सिसे से सवाल उठ खड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश के कांग्रेसी दशकों नारा लगाते रहे-हैं अमेठी का डंका, बैटी प्रियंका, मगर वह करत की बायनाड़ सीट से सदद पहुंची। बायनाड़ में उपचुनाव की नौवीनी इसलिए आई कि इस बार रायबरेली और बायनाड़, दो सीटों से जीते रहुल ने परिवारिक सीट रायबरेली रखने का फैसला किया।

राजस्थान से राजस्थान पांचवें से पहले सोनिया गांधी यायबरेली से ही लोकसभा चुनाव जीती हैं। उनसे पहले पारी राजीव गांधी रायबरेली का प्रतिनिधित्व करते रहे। परिवर्त गांधी और दिवार गांधी भी यायबरेली से लोकसभा के लिए उपचुनाव में जीते रहे। सोनिया गांधी द्वारा इस बार संसदीय के लिए इस राजस्थान का राजनीति बदल दिया। राजीव गांधी को अपेक्षित था कि राहुल वायनाड़ और अनन्त पुरुषी सीट अमेठी से लड़े, जबकि प्रियंका रायबरेली से अपनी संसदीय राजनीति की शुरुआत करेंगी, लेकिन कांग्रेस ने चौकाने वाला नियन्त्रण का परिवार और पार्टी के निष्प्रवान कीरोरी लाल शर्मा को अपेक्षी से स्पृह इरानी के लिए वायनाड़ में जीता, राजीव गांधी के लिए अपेक्षित सुखात रायबरेली की जीत। कांग्रेस का दोबार सफल भी रहा। रायबरेली से राहुल ने जीत ही रहा, किसीरो लाल ने भी अपेक्षी से स्पृह इरानी को हारा कर सबके चौका दिया। राहुल और किसीरो लाल, दोनों के चुनाव प्रचार और गठबंधन की कमान प्रियंका गांधी से हांस्बती नजर आई थी।

जब राहुल ने वायनाड़ छोड़कर एकाल किया तभी उपचुनाव में प्रियंका गांधी होने का फैसला ही गया था। राहुल ने कहा था कि वायनाड़ के मतदाताओं को उनकी कमी महसूस न हो, इसलिए वहाँ से होने वाले उपचुनाव में बहन प्रियंका गांधी कांग्रेस उम्मीदवार होंगी। लेकिन वायनाड़ से प्रियंका की जीत में किसी को सदैर नहीं था, लेकिन भाई राहुल से भी ज्यादा अंतर से जीत हासिल कर ऊंचाँने चौकाया।

प्रियंका चार लाख से भी ज्यादा वोटों के अंतर से जीती है।

उनका मुकाबल सत्तारूप एलडीएफ प्रत्याशी से हुआ, जबकि भाजपा की उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रही। हालांकि प्रियंका गांधी की संसदीय पारी का आगाज भले ही अपनी हुआ है, लेकिन वह राजनीति में नई नहीं है। खुद प्रियंका गांधी ने बताया कि वह 35 साल से राजनीति में सक्रिय है और उन्होंने 1989 में 17 साल की उम्र में पहली बार अपने पिता राजनीति की शुरुआत की आगाज ऐसी थी। सभी जानते हैं कि रायबरेली और अमेठी में वह मां और और भाई के लिए अतीत में भी चुनाव गठबंधन और राजनीतिक कामकाज देखती रही हैं। प्रियंका की संसदीय राजनीति का आगाज ऐसे समय हुआ है, जब छह मिनीने वाले लोकसभा चुनाव में पुनरुत्थान के सकेत लिये के बाद कांग्रेस परिषद उपतंग नजर आ रही है। अक्टूबर में हालाँगे में आती दिख रही हरियाणा की सत्ता फिल गई, तो ज्यू-कर्मी में भी उपचुनाव के लिए वायनाड़ में नाकाम रही।

भाजपा से सोधे मुकाबले में कांग्रेस के लगातार लंचर प्रदर्शन और उसके बावजूद आपकेदारी अंकरों की व्यवहार के चलते अब गठबंधन में भी उसके विरुद्ध स्वर मुखर होने लगे हैं। घटक दलों के नेता गठबंधन की कमान मारी बजानी को देने की पैरेटी कर रहे हैं। जब में लोकसभा में नेता प्रतिशत लिये रहने गांधी की नेतृत्व क्षमता पर लड़ रही उपचुनाव लगे हैं। बेशक प्रियंका गांधी बेटर बक्सा में नेता प्रतिशत लिये रहने गांधी की नेतृत्व क्षमता पर लड़ रही जाती है, लेकिन उनकी साथ नेहरू परिवार के तीनों सदस्यों के सहसद में आ जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा के आक्रमण को जो जीत धारा मिलेंगी, उससे बचाव कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा।

ऐसे में यह स्वामीविक सबल अनुत्तरित ही है कि कांग्रेस आतंकमन का यह क्षमता नहीं वायनाड़ में वह रास्ता बनाया। आदिवासी प्रियंका की जीत में तो भी ही है। सालों पहले ही सीधे कांग्रेस की ज्यादी गुणाह इंसान से वंशवाद उपचुनाव में जीत ही पाई। कांग्रेस का मत प्रतिशत भी ढाई प्रतिशत के आसपास रहा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हालत लोकसभा चुनाव में स्पष्टरता दिखी, पर हाल के नई विधानसभा उपचुनाव में जीत के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी। अब परिवार के तीनों ही सदस्य सदसद में पहुंच जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा का आक्रमण तो और तेज होगा ही, कांग्रेस में राहुल के समानांतर एक और सत्ता के बनने का खतरा भी रहेगा।



समीक्षक : विजय वर्मान, बिहारी, छत्तीसगढ़

समीक्षक पुस्तक - 'कल्लू कुकुर के पावर' (हास्य व्याय संग्रह)

कल्लू के बहाने जग के अफसाने

वे समाज को सर्वांग सुंदर, स्थाय, अनुशासित और ताकिक देखना चाहते हैं। अपनी असहायताओं को मन मसोसकर अपने भीतर ही जब कर लेने के बे पक्षपत्र नहीं हैं। समाधान हेतु लंबाल सक्रिय होने की उनकी मुद्रा स्पष्ट दिखाइ देती है। इस दृष्टि से छत्तीसगढ़ी हास्य - व्याय संग्रह 'कल्लू कुकुर के पावर' बहुत पौरवरक रूप है।

विजय जी की लेखनी

सिद्ध करती है कि मानव

जीवन में हर - पल

हैं उनके बेज़बान पांडों

के संवाद कहीं भी असहज नहीं लाया। विजय जी बहुद मासित प्रसिद्ध करते हैं कि फैल होने से गम्भीर मर्म तक ले जाते हैं। विषयों की विविधता

विजय जी की विशेषता है।

इसका लिखा भी लंबा

लेखन है। प्रत्येक

लेख जैसे एक भिन्न

विषयों की विविधता

विजय जी की विशेषता है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के साथ निवाह करना

अद्भुत है। नया वर्ष आपे

के लिए बेतेंदु की

अपनी लंबी लाइफ

के लिए बहुत अच्छा है।

अहसास का करुण हास्य के

विष्णुके सुशासन से संवर रहा छत्तीसगढ़

सुशासन और विश्वास के
जनादेश के

1 वर्ष

जनादेश
परबभाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

श्री जेपी नड्डा जी

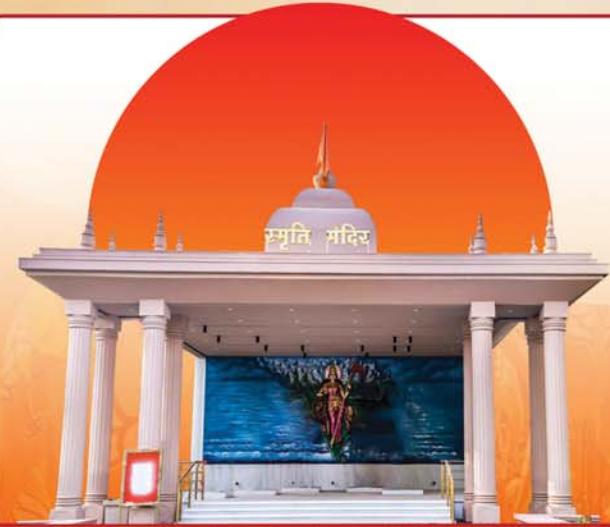
का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर
हार्दिक अभिनंदन...विद्याल
जनसभा

दोपहर 02:00 बजे

साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

श्री जेपी नड्डा जी
के करकमलों द्वारा
स्मृति मंदिर
का
लोकार्पण

सायं 04:30 बजे

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय
कुशामाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर, छत्तीसगढ़

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़





सुशासन
का साल 1
छत्तीसगढ़
हुआ नवुशाहाल



जनादेशा परब

पर प्रदेश की जनता का
कोटि-कोटि आभार...

13 दिसंबर 2024



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

